जून 2023
सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिका

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी - 010
द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र : जुलाई 2021 (संशोधित नवंबर 2021)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>सत्रीय कार्य कोड /परियोजना कार्य कोड</th>
<th>कहाँ प्रेषित करें</th>
<th>संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य /परियोजना कार्य पर निर्धारित अतिम तिथि</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>01</td>
<td>एम ए एच डी - 19</td>
<td>संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>02</td>
<td>एम ए एच डी - 20</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>03</td>
<td>एम ए एच डी - 21</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>04</td>
<td>एम ए एच डी - 22</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>05</td>
<td>एम ए एच डी - 23</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>06</td>
<td>एम ए एच डी - 24</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

➤ अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य /परियोजना कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएं। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य /परियोजना कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

➤

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
gांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र - 42001
फोन /फैक्स नं. : 0752-247146
वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance
दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थियों को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं (परियोजना कार्य) के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थियों को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं के लिए सत्रीय कार्य तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थियों द्वारा चयनित) के लिए परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जाना अनिवार्य है।

इस प्रकार विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर में कुल 04 सत्रीय कार्य एवं 01 परियोजना कार्य सम्पन्न कर जाना चाहिए है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थियों को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखा है।

विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्याओं के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्याओं का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड फॉर्म रूप से प्रदर्शित करें।

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) के लिए निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए निम्नलिखित URL का उपयोग किया जा सकता है।


परियोजना कार्य के पर्यवेक्षण के संबंध में जानकारी के लिए सीधे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कीजिए।

पूर्ण किये गए अनिवार्य कार्यों का मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि :- 30 सितंबर, 2023 से पूर्व संभंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएं तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यतः सुरक्षित रखें।
सत्रीय कार्य का उदेश्य:

- सत्रीय कार्य का उदेश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री की विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुनः प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रृवति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किये गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।

- विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है , आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के लिए-साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-शमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।

- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्रूपस्तिकरण न करते हुए अध्ययन उपर्युक्त अपनी विकसित विचार-शमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।

- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

- उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन:

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :-

- प्रथमतः सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लिजिए। उसके बाद संबंधित पाठ्य-सामग्री का ध्यानपूर्वक पढ़िए।

- पूछे गए प्रश्नों से संबंधित क्राइज़ों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।

- साथ ही, सुझावी गई सहायक पुस्तकों को भी स्पष्टपूर्वक पढ़िए।

- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :-

- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्चे रूपांक बना लीजिए , श्रेणीवार तथा संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।

- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
जून 2023

- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तमान समस्याएं जून 2023 में, अनुसूचित और परीक्षा का पर्याप्त समय निभाया गया हो।

08 सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विधार्थी द्वारा स्वच्छ की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अनित्य प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तमान संबंध दोषों से रहित, प्रारूपवाद और भिन्न काट-छूट किए तथा भली प्रकार नली/स्पाइसल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्वाहिली वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व स्वच्छता प्रश्न क्रम अवश्य लिखिए।
- प्रयोग नए तरंग का प्रारंभ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A4 साइज के कागज का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नपात्र सभी कागजों को भली प्रकार नली कर लीजिए। विधार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागजों को स्पाइसल बाइंडिंग करने ले। विधार्थियों अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज के बढ़ आकार के जिल्ला और रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।
- सत्रीय कार्य की विधार्थी द्वारा स्वच्छ की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वियार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विधार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान कराया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकारी है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
जून 2023
सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :
सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ीए :

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के लिए निम्नलिखित प्रारूप निर्धारित हैं :

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र - 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाइट : http://hindishwarg/distance

उत्तर-पुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अयाय के पते पर जमा करें दीजिए । हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपयुक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करें और एम.ए., हिंदी पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेंगे।
सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 01

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 19
अधिकतम अंक : 30%

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम पाठ्यपुस्तक (अनिवार्य)
पाठ्यपुस्तक कोड : MAHD– 19
पाठ्यपुस्तक का शीर्षक : हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

➢ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 08 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
➢ प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
➢ प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

1. नीतिकाव्य की अवधारणा और उसके स्वरूप का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
2. नीतिकालीन साहित्य में नीति और मूल्य का उदाहरण सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. साहित्य में ‘सत्य, शिवं, सुन्दरम्’ की अवधारणा का उदाहरण सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. मूल्य और जीवन-मूल्य क्या हैं? जीवन-मूल्य के संबंध में भारतीय दृष्टिकोण का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
5. कबीरदास के काव्य में सामाजिक मूल्य चेतना का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।
6. घाघ-भड्डरी के काव्य में अभिव्यक्ति सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य चेतना का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी 08 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

1. हिंदी साहित्य में निबंध लेखन की परम्परा का उल्लेख करते हुए आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध ‘उल्लास’ की अन्वेषण स्थल और उसके शिल्पगत वैशिष्ट्य का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. हिंदी साहित्य में आत्मकथा लेखन का संस्कृत परिचय देते हुए हरिकंद्रा राय बच्चन द्वारा लिखित आत्मकथा ‘क्या भूलूँ क्या याद करूँ’ के वैश्विक को रेखांकित कीजिए।
3. क्या यात्रा-साहित्य किसी भौगोलिक क्षेत्र के परिदृश्य को संपूर्णता में रेखांकित करती है? पक्ष या विपक्ष के अनुसार अपना आकलन प्रस्तुत कीजिए।
4. हिंदी के गद्य रूप में संस्करण लेखन के स्वरूप का उल्लेख करते हुए महादेवी वर्मा द्वारा लिखे संस्करण की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास में साक्षात्कार विषय के महत्त्व का आकलन प्रस्तुत कीजिए।
निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

1. भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय देकर हुए तुलनात्मक भाषाविज्ञान का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. भाषा-परिवर्तन के स्वरूप, कारण और उसके कथा दिशाएँ हैं, स्पष्ट कीजिए।
3. स्वामित्व की परिभाषा देकर हुए उसके भेदों का विश्लेषण कीजिए।
4. पद, पदविक्षण और वाक्य को समझाने हुए पद-निर्माण की पद्धति को उदाहरण सहित समझाएँ।
5. ध्वनि परिवर्तन के कारण और उसकी दिशाओं को चिन्हित कीजिए।
चूँच 2023
एम.ए. हिंदी पाद्यक्रम

द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक - 04
सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी - 22
अधिकतम अंक : 30%

चतुर्थ सेमेस्टर
चतुर्थ पाद्यक्रम (अनिवार्य)
पाद्यक्रम कोड : MAHD-22
पाद्यक्रम का शीर्षक : नव सामाजिक विषय

➤ निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 06 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
➤ प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
➤ प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

1. स्त्री विषय को परिभाषित करते हुए सन 2000 के बाद प्रकाशित भाने-चरित्र केंद्रित किसी उपन्यास का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इकतन संती सदी के साहित्य में उसकी आवश्यकता के परिपक्व को निरूपित किए।
3. केंद्रल भारती की कविता में दलित-विषय के स्वरूप का विवेकल निरूपित कीजिए।
4. ओमप्रकाश कार्तिकी द्वारा रचित समस्त रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी कहानी ‘अम्मा’ में दलित जीवन की समस्याओं को रेखांकित कीजिए।
5. अनामिका की कविताओं में भाषा के स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
परियोजना कार्य :
पंचम पाठ्यचया (परियोजना कार्य) के लिए दो विकल्प हैं, उनमें से किसी एक का चयन विद्यार्थियों द्वारा किया जाना है। विद्यार्थी कृपया निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए निम्नलिखित URL का उपयोग किया जा सकता है:

पाठ्यचया कोड : MAHD-23

पाठ्यचया कोड : MAHD-24

परियोजना कार्य के पर्यवेक्षण के संबंध में जानकारी के लिए सीधे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक : 
डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा
कक्ष संख्या - 18
amrendrakumarsharma@gmail.com
मोबाइल - 9422905755
एसोशिएट शिक्षाकर्मी, दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा, महाराष्ट्र